

6.8.

Ανάμνησις τῆς Ἁγίας Μεταμορφώσεως  
τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ.

Ὁτιόε πρεωβραженіе гдѣ бѣа ѡ εἶσα ἡλσηεγω ἰησα χρίτλ.

**6. hlas // 2<sup>nd</sup> plag. echos**

***Byzantská tradícia // Byzantine tradition***

Προτυπὼν τὴν Ανάστασιν τὴν σὴν  
Πέτρῳ καὶ Ἰακώβῳ καὶ, Ἰωάννῃ

Am 162v, Dk 147 (297), Ott 186v (376), Trin 180r  
G355 307r (312), G265 150v (155), G260 141v+143r (146)\*, G261 130r, G270 123r, G262 169v

Vi 163

Pp 180r, S439 129v + 133r, S440 113r

Εἰς τό, Κύριε ἐκέκραξα, Δόξα... Ἦχος πλ. β' Ανατολίου

Προτυπών τήν Ανάστασιν τήν σήν Χριστέ ο Θεός.

τότε παραλαμβάνεις τούς τρεῖς σου μαθητάς.  
Πέτρον καί Ἰάκωβον καί Ἰωάννην  
ἐν τῷ Θαβώρ ἀνελθών.

Σοῦ δέ Σωτήρ μεταμορφουμένου  
τό Θαβώριον ὄρος φωτί ἐσκέπετο.

Οἱ Μαθηταί σου Λόγε  
ἐρριψαν εαυτούς // ἐν τῷ ἐδάφει τῆς γῆς.

μή φέροντες οράν // τήν ἀθέατον μορφήν.

Ἄγγελοι  
διηκόνουν φόβω καί τρόμω,  
ουρανοί ἐφριξαν // γή ἐτρόμαξεν  
ορώντες ἐπὶ γῆς τῆς δόξης τόν Κύριον.

|         |            |    |
|---------|------------|----|
| DE      | D2         | E3 |
| a:aG.E- | E3         |    |
| Gh      | G3/U -a    | E3 |
| E2      | D:Ea.G     | E3 |
|         | Ga.D       |    |
| E2      | G3/0 -a // | E3 |
|         | D2 //      | E3 |
| EEB     |            |    |
| Gh      | G3         |    |
|         | a D2 //    |    |
|         | G3/0 -a    | E3 |

Γάβλα, ἡ κήνικε, γάβλα εἰ. Ἄνατολίᾳ:

Πρωεβραζδᾶ βοικρήϊε τβοὸε χρῆπε εἶε.

πογδᾶ ποάττᾶ τρη τβοῶ ὀτῆνικῆ,  
πετρά ἡ ἰάκωβα ἡ ἰωάννα,  
να δαβώρζ βοζσέλζ εἶη.


τεβεῖ κε, εἶσε, πρωεβραζδῶιμιδῆα,  
δαβώρικαῶ γορὰ εβεῖτομζ ποκρυβιάσσεα:

ὀτῆνιτῶ τβοῶ, ελόβε, ποβεργόσα εβεῖ  
δόλδ να ζεμλῆ.

νε τερπάτσε ζρεῖτῆ νεβῆδημαγω ζράκα.

ἄγγλη ελδζάχδ ετράχομζ ἡ τρέπετομζ,  
ἡεῖα ὀβοάσσεα, ζεμλᾶ βοετρεπετᾶ,  
εἶδατσε να ζεμλῆ ελάβυ γᾶα.

Προτυπών τήν Ανάστασιν τήν σήν Χριστέ ο Θεός

++++ Προτυπών τήν Ανάστασιν τήν σήν Χριστέ ο Θεός  [G/E]



|      |             |                    |                 |           |  |  |  |  |  |
|------|-------------|--------------------|-----------------|-----------|--|--|--|--|--|
| Am   |             |                    |                 |           |  |  |  |  |  |
| Trin |             |                    |                 |           |  |  |  |  |  |
| G355 |             |                    |                 |           |  |  |  |  |  |
| Vi   |             |                    |                 |           |  |  |  |  |  |
|      | Προ-τυ- πών | τήν Α- νά-στα- σιν | τήν σήν Χρι-στέ | ο Θε- ός, |  |  |  |  |  |

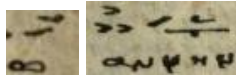
|      |                  |                         |         |          |     |     |  |  |  |
|------|------------------|-------------------------|---------|----------|-----|-----|--|--|--|
| Pp   |                  |                         |         |          |     |     |  |  |  |
| S439 |                  |                         |         |          |     |     |  |  |  |
| S440 |                  |                         |         |          |     |     |  |  |  |
|      | Προ-ω- βρα- ζομ- | ΙΑ- ΒΥΣΙΚΡΥ- CE- ΝΗ- ΙΕ | ΣΚΟ- ΙΕ | ΧΡΗ- CTE | ΚΟ- | ΖΕ- |  |  |  |



|      |                                |                             |  |  |  |  |  |  |  |
|------|--------------------------------|-----------------------------|--|--|--|--|--|--|--|
| Am   |                                |                             |  |  |  |  |  |  |  |
| Ott  |                                |                             |  |  |  |  |  |  |  |
| Dk   |                                |                             |  |  |  |  |  |  |  |
| G262 |                                |                             |  |  |  |  |  |  |  |
| Vi   |                                |                             |  |  |  |  |  |  |  |
|      | τό- τε / πα- ρα- λαμ- βά- νεις | τούς τρεις σου μα- θη- τάς, |  |  |  |  |  |  |  |

|          |                |             |                 |  |  |  |  |  |  |
|----------|----------------|-------------|-----------------|--|--|--|--|--|--|
| Pp, S440 |                |             |                 |  |  |  |  |  |  |
| S439     |                |             |                 |  |  |  |  |  |  |
|          | ΤΥ- ΓΔΑ ΠΟ- ΙΑ | ΤΡΗ ΣΚΟ- ΙΑ | ΟΥ- ΥΕ- ΝΗ- ΚΥ- |  |  |  |  |  |  |

Trin cez riadok:



G270



Am



Dk



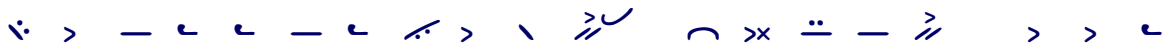
Ott



G262



Vi



Πέ-τρον καί Ι- ά- κω-βον καί Ι- ω- άν- νην, εν τώ Θα- βώρ αν- ελ- θών,

Pp



S439



S440



ΠΕ\_ ΤΡΑ Η Η\_ ΙΑ\_ ΚΟ\_ ΒΑ Η Η\_ Ο\_ Α\_ ΝΑ\_ ΝΑ\_ ΘΑ\_ ΒΟ\_ ΡΪ\_ ΚΪ\_ Ζ\_ Η\_ ΔΕ\_



G260



Am



G262



Vi



Σού δέ Σω- τήρ με- τα- μορ- φου-μέ- νου,

Pp



S439



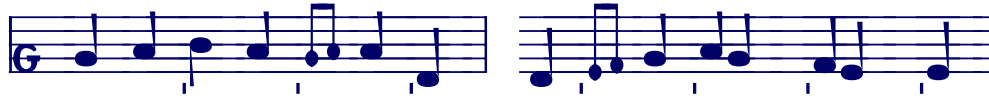
S440



ΤΕ\_ ΚΕ\_ ΧΡΗ\_ ΣΤΕ\_ ΠΡΕ\_ ΟΒ\_ ΡΑ\_ ΖΑ\_ ΨΗΘ\_ ΣΑ\_



Ott



Am



G262



Vi



τό Θα-βώ-ρι-ον ό-ρος φω-τί ε-σκέ-πε-το,

Pp



S439



S440



ΘΑ\_ ΒΟ\_ ΡΗ\_ ΣΚΑ\_ ΙΑ\_ ΓΟ\_ ΡΑ\_ ΔΥΙ\_ ΜΥ\_ ΜΥ\_ ΣΑ\_ ΠΟ\_ ΚΡΥ\_



Am



G265



Dk



G270



G262



Vi



Οι Μα-θη-ταί σου Λό-γε,

Pp



S439

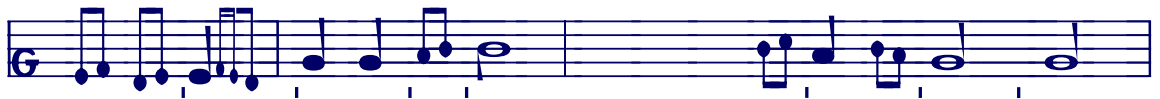


S440

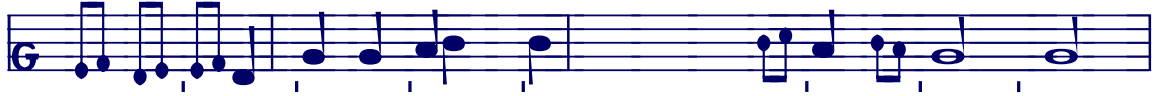


ΟΥ\_ ΥΕ\_ ΝΗ\_ ΛΗ\_ ΤΒΟ\_ Η\_ ΣΛΟ\_ ΒΕ\_





G261



Am



G262



G265



Vi



Αγ- γε- λοι δι- η- κό- νου φό- βω και τρό- μω,

Pp



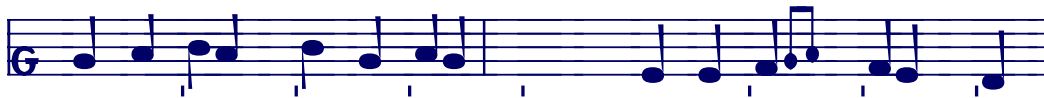
S439



S440



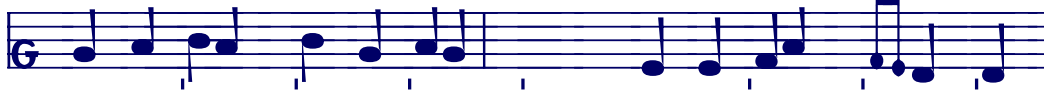
ΑΗ\_ ΓΕ\_ ΛΗ\_ ΣΛΟΥ\_ ΖΑ\_ Α\_ ΧΟΥ\_ ΣΤΡΑ\_ ΧΨ\_ ΜΔ\_ Η\_ ΤΡΕ\_ ΠΕ\_ ΤΨ\_ ΜΔ\_



Am



G260



Ott



G355



Vi



ου- ρα- νοί έ- φρι- ξαν γή ε- τρό- μα- ξεν,

Pp



S439



S440



ΝΕ\_ ΒΕ\_ ΣΑ\_ ΟΥ\_ ΖΑ\_ ΣΟ\_ ΣΙΑ\_ ΣΑ\_ Η\_ ΞΕ\_ ΜΛΛ\_ ΠΟ\_ ΤΡΑ\_ ΣΕ\_ ΣΑ\_



G260



Am



Dk



Ott



Vi



ο- ρών-τες ε- πί γής, τής δό- ξης τόν Κύ- ρι- ον.

Pp



S439



S440



ΒΗ\_ ΔΑ\_ ΨΗ\_ ΝΑ\_ ΖΕ\_ ΜΛΗ\_ ΣΛΑ\_ ΒΑ\_ ΜΖ\_ ΓΟ\_ ΣΠΟ\_ ΔΑ\_ ✪



Εἰς τὸν Στίχον, Δόξα... Καὶ νῦν... Ἦχος πλ. β'

Πέτρῳ καὶ Ἰωάννῃ καὶ Ἰακώβῳ.  
 τοῖς προκρίτοις μαθηταῖς σου Κύριε,  
**σήμερον** υπέδειξας ἐν τῷ ὄρει τῷ Θαβώρ,  
 τὴν δόξαν τῆς θεϊκῆς σου μορφῆς.

D2 // E3  
 a- G3  
 G3/U -caa D2 // E3

ἐβλεπον γάρ  
 τὰ ἰμάτιά σου ἀστράψαντα ὡς τὸ φῶς,  
 καὶ τὸ πρόσωπόν σου ὑπὲρ τὸν ἥλιον.

E2  
 Gh -G G3 // E3  
 a

**καὶ μὴ** φέροντες ὁράν\*  
 τὸ ἀστεκτον τῆς σῆς ἐλλάμψεως,  
 εἰς γῆν κατέπιπτον  
 μηδὲ ὡς ἀτενίσαι ἰσχύοντες.

Gh\* G3 E3  
 cd.dc.h  
 a  
 a

Φωνῆς γάρ ἤκουον μαρτυροῦσης ἀνωθεν,  
 Οὗτός ἐστιν ὁ Υἱὸς μου ὁ ἀγαπητός,  
 ὁ ἐλθὼν εἰς τὸν κόσμον σῶσαι τὸν ἄνθρωπον.

h:ad.da.h G3 G3 E3  
 a  
 a

ГЛАВА, ꙗ ѡ ѡбѣ, гл҃ахъ ѿ:

Петρѣ ꙗ ѡ ѡбѣ ꙗ ѡ ѡбѣ.

лѣчшымъ оубѣннѣмъ твоимъ гдѣ,  
 днѣмъ показавъ се ꙗ на горѣ двѣрѣтѣн  
 слѣдъ бжѣтвеннаго твоего зрѣна:

бнѣдѣхъ бо рнзи твоѣ ѡблнѣтѣшнѣ ѡбѣтѣ,  
 ꙗ лнцѣ твоѣ ꙗче ѡблнѣ:

не терпѣше зрѣти нестерпнмоѣ твоего ѡблнѣ,  
 на зѣмлю ннзпѣдѣхъ,  
 ннѣкоже зрѣти могѣше.

гл҃ахъ же слѣшѣхъ ѡблнѣтѣльствѣннѣмъ ѡблнѣ:  
 се ꙗ ѡблнѣтѣннѣ,  
 прншѣдѣннѣмъ ѡблнѣтѣннѣ.



Ott  
G261

Am

Dk  
G355

Am  
G270

Vi

σή- με- ρον υπ- έ- δει- ξας εν τώ ό- ρει τώ Θα- βώρ,

Pp

S439

S440

ΔΕ ΝΥ ΣΥ ΠΟ ΚΑ ΖΑ ΛΥ ΗΕ ΧΗ ΝΑ ΓΟ ΡΚ ΘΑ ΚΟ ΡΕ ΣΤΚ Η•

Ott

τήν δό- ξαν τής σής θε- ο- τη- τος

Am

τήν δό- ξαν τής θε- ι- κής σου μορ- φής

G262

τήν δό- ξαν τής θε- ι- κής σου μορ- φής

Vi

τήν δό- ξαν τής θε- ι- κής σου μορ- φής

Pp

S439

S440

ΣΛΑ ΚΟΥ ΚΟ ΖΕ ΣΤΒΕ ΝΑ Α ΓΟ ΧΗ ΟΒ ΡΑ ΖΑ•

G270

G261

Am

G262

Ott  
Trin

Dk  
G355  
Vi

Pp  
S439  
S440

έ- βλε- πον γάρ τά ι- μά- τι- ά σου, α-στρά-ψαν- τα ως τό φώς  
 ΒΗ ΔΑ ΧΟΥ ΒΟ ΡΗ ΖΥ ΤΒΟ ΙΑ ΒΛΕ ΨΙΑ ΨΙΑ ΣΑ ΙΑ ΙΚΟ ΣΒΚ ΤΨ  
 ΒΗ ΔΑ Α ΧΟΥ ΒΟ ΡΗ ΖΥ ΤΒΟ ΙΑ ΒΛΕ ΨΙΑ ΨΙΑ ΣΑ ΙΑ ΙΚΟ ΣΒΚ ΤΨ













G261



G270



Am



G262



Vi



ο ελ- θών εις τόν κό-σμον σώ-σαι τόν άν- θρω- πον.

Pp



S439



S440



ΠΡΗ\_ ΣΗ\_ ΔΥ\_ Η Β\_ ΜΗ\_ Ρ\_· Σ\_ ΠΑ\_ ΣΤΗ ΡΟ\_ ΔΑ ΥΛΟ\_ Β\_ ΥΑ ·

Pp,S439



S440



ΓΟ\_ ΣΠΟ\_ ΔΗ ΣΛΑ\_ ΒΑ ΤΕ\_ ΒΕ ··